हिन्दी साप्ताहिक

Title Code:- UTTBIL00534

उत्तराखण्ड अभ्युदय

♦वर्ष -01 ♦ अंक-25 ♦देहरादून - रविवार 20 अप्रैल 2025 ♦पृष्ठ : 4 ♦मूल्यः 1/-

राज्यपाल ने प्रवेशोत्सव-2025 कार्यक्रम में प्रतिभाग कर 'स्कूल डैश-बोर्ड' का लोकार्पण किया

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने राजभवन में विद्यालयी शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित प्रवेशोत्सव-2025 कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। उन्होंने इस दौरान स्कूलों में प्रवेश लेने वाले बच्चों का स्वागत कर उन्हें शिक्षण सामग्री वितरित की। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा राज्य के सभी विद्यालयों के लिए निर्मित 'स्कूल डैश-बोर्ड' का लोकार्पण किया एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालयों के 13 केंद्रों को आर्थिक सहायता भी प्रदान की।

राज्यपाल के निर्देश पर यूटीयू द्वारा राज्य में स्थित समस्त राजकीय विद्यालयों की सम्पूर्ण जानकारी एक स्थान पर उपलब्ध कराये जाने के दृष्टिगत स्कूल डैश-बोर्ड तैयार किया गया है। इसमें विश्वविद्यालय द्वारा राज्य के 13 जिलों में स्थित 16055 राजकीय विद्यालयों के सम्पूर्ण विवरण के साथ विद्यालयों के प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक के साथ-साथ डैशबोर्ड के एडमिन को अपने लॉग-इन के माध्यम से जानकारी उपलब्ध होने एवं उन्हे देखने की सुविधा प्रदान की गयी है। वर्तमान में डैशबोर्ड पर 13 जिलों के 95 ब्लॉक में 16055 विद्यालयो में अध्ययनरत सम्पूर्ण छात्रों/शिक्षकों के साथ-साथ अवस्थापना सुविधाओं का विवरण अपलोड किया जा चुका है, जिसे सम्बन्धित स्कूल के प्रधानाचार्य द्वारा यथा आवश्यकतानुसार अपने लॉग-इन द्वारा संशोधित किया जा सकता है।इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि नई तकनीकों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ रहे उत्तराखण्ड के लिए आज का यह अवसर विशेष है। उन्होंने कहा कि 'स्कूल डैश-बोर्ड' का लोकार्पण न केवल उत्तराखण्ड की शिक्षा व्यवस्था में तकनीकी नवाचार का प्रतीक है, बल्कि यह राज्य के हर बच्चे को गुणवत्ता युक्त शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। राज्यपाल ने 'स्कूल डैशबोर्ड' को साकार करने के लिए वीर माधो सिंह भण्डारी टेक्निकल यूनिवर्सिटी, तकनीकी विशेषज्ञों, और सभी शिक्षकों को बधाई दी और कहा कि यह केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं है, बल्कि यह उत्तराखण्ड की शिक्षा के क्षेत्र में टेक्नोलॉजी क्रांति की ओर बढ़ते कदमों का प्रतीक भी है।

राज्यपाल ने बच्चों और उनके अभिभावकों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक किए जाने हेतु शिक्षा विभाग के प्रवेश उत्सव पहल की सराहना करते हुए कहा कि प्रवेशोत्सव का यह उल्लासपूर्ण अवसर केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि शिक्षा के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हर वर्ष शैक्षिक सत्र की शुरुआत में, हम नव-प्रवेशी बच्चों को केवल स्कूल में नहीं लाते, बल्कि उन्हें एक उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर करते हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल बच्चों के मन में स्कूल के प्रति आत्मीयता और जुड़ाव की भावना विकसित करती है। उन्होंने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

राज्यपाल ने राज्य के नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय विद्यालय को जिनमें छात्रावासों में रहकर वंचित एवं कमजोर वर्ग के बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं, को एक अनुपम पहल बताया। उन्होंने कहा कि ये विद्यालय विभिन्न कारणों से विद्यालयी शिक्षा से वंचित, समाज के उन अनाथ, बेघर, और कमजोर वर्ग के बच्चों के जीवन को नया स्वरूप दे रही है, हमारा यह केवल एक सामाजिक उत्तरदायित्व नहीं, बल्कि एक भावनात्मक कर्तव्य भी है। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का नाम साहस, सेवा और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है और उनके नाम से स्थापित ये छात्रावास उसी भावना को आत्मसात करते हुए हर बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग द्वारा इन छात्रावासों का उच्चीकरण कर इन्हें कक्षा 12वीं तक विस्तारित करना एक दूरदर्शी निर्णय सिद्ध होगा। इस कार्यक्रम में सचिव श्री राज्यपाल एवं सचिव विद्यालयी शिक्षा रविनाथ रामन, वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह, अपर सचिव श्री राज्यपाल स्वाति एस. भदौरिया, वित्त नियंत्रक डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव सहित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय विद्यालयों के वॉर्डन, शिक्षक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

देवप्रयाग में किया गंगा सम्मान यात्रा का स्वागत

नई टिहरी। गंगा के मायके मुखबा से शुरू हुई गंगा सम्मान यात्रा के देवप्रयाग पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया।

शुक्रवार को पूर्व मुखमन्त्री हरीश रावत की अगुवाई में निकली गंगा सम्मान यात्रा तीर्थ नगरी के मुख्य बाजारों से होते संगम स्थल पर पहुंची। यहां भागीरथी अलकनंदा संगम स्थल पर श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर के छात्रों के वेद मंत्रों के साथ पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत व यात्रा में शामिल लोगों द्वारा मां गंगा की आरती की गयी। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने इस मौके पर विश्व की सबसे पवित्र नदी गंगा को आने वाली पीढ़ियों के लिए बचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों के कारण गंगा अपने मायके में ही मिटने की कगार पर है। भागीरथ के तप से प्रगट हुई भागीरथी गंगा का अस्तित्व यदि आज नहीं बचाया गया तो आने वाली पीढ़ियां गंगा को नाम भर से ही जानेंगे। उन्होंने कहा कि देवप्रयाग जहां से गंगा नाम की शुरुआत हो रही है वहीं गंगा प्रदूषित हो रही है। यहां संगम के निकट बने टैंक से सीवरेज का पानी सीधे गंगा में जा रहा है। करोड़ों की सीवरेज योजना का यहां तीस फीसदी काम अभी भी पूरा नहीं हुआ है। पूर्व मुख्यमन्त्री रावत ने कहा की केंद्रीय विवि का श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर कांग्रेस सरकार की ही देन है। उन्होंने सभी से गंगा की पावनता व सम्मान बनाये रखने की अपील की। गंगा सम्मान यात्रा शुक्रवार को मलेथा, बागवान, लक्ष्मोली होते देवप्रयाग पहुंची। इस मौके पर पूर्व विधायक ओमगोपाल रावत, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष उत्तम सिंह असवाल, पीसीसी सदस्य नंदन टोडरिया, ब्लाक अध्यक्ष रघुवीर भंडारी, जिला महासचिव विनोद टोडरिया, आनंद रावत, रामलाल नौटियाल, प्रतापसिंह भंडारी, जगदीश चन्द्र आर्य, राजेंद्र चंद, अनुसूया मिश्रा, माया पंच भैया, गम्मा सिंह, अंकित सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जगदीश प्रसाद ध्यानी बने प्रबंधक

पौड़ी। आदर्श संस्कृत विद्यापीठ सल्ड महादेव के प्रबंध समिति चुनाव में जगदीश प्रसाद ध्यानी निर्विरोध प्रबंधक चुने गए। उनके साथ पूरी प्रबंध समिति निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुई। आदर्श संस्कृत विद्यापीठ सल्डमहादेव में हुए चुनाव में विजयपाल सिंह अध्यक्ष, जनार्दन सुंद्रियाल उपाध्यक्ष, जगदीश प्रसाद ध्यानी प्रवंधक, ज्योति शर्मा उपप्रबंधक, पृथ्वीपाल कोषाध्यक्ष के साथ ही रामानंद मधवाल, मुन्नी ध्यानी, रंजना देवी, दीपा देवी, हरेंद्र देवलाल, केशर सिंह मनराल, नारायण दत्त सदस्य के रूप में निर्विरोध निर्वाचित घोषित हुए। प्रबंधक जगदीश प्रसाद ध्यानी ने कहा कि क्षेत्र की जनता की उम्मीदों के अनुरूप विद्यापीठ की प्रगति के लिए हर संभव प्रयास करता रहूंगा। आदर्श संस्कृत विद्यापीठ सल्डमहादेव की स्थापना नव निर्वाचित प्रवंधक जगदीश प्रसाद ध्यानी के स्वर्गीय पिता उस समय के मूर्धन्य संस्कृत विद्वान तुलाराम शास्त्री ने 1983 में की थी। वर्तमान में प्रथमा, मध्यमा, उत्तर मध्यमा (कक्षा 6 से 12 तक) की मान्यता उत्तराखंड संस्कृत परिषद व शास्त्री (बीए) की मान्यता राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान दिल्ली से है। इस मौके पर चुनाव अधिकारी प्रधानाचार्य इंटर कॉलेज नैनीडांडा सत्येंद्र शर्मा, चुनाव पर्यवेक्षक प्रधानाचार्य आदर्श राइंका धुमाकोट आनंद सिंह बिष्ट आदि शामिल रहे।

सम्पादकीय

विकास का आधार,ग्रामीण पर्यटन

ग्रामः भारतस्य हृदयम्, तत्रैव निहितं बलमृ।
पर्यटनं च समृद्धयर्थं, ग्रामे विकसनं शुभम्।।
कृषकाः ग्रामवासिनः,तेषु भारतस्य प्राणः।
पर्यटनं तेभ्यः लाभाय,विकासो निश्चयो भवेत्।।
अर्थात्
गांव में भारत का हृदय बसता है, और उसमें ही उसकी शक्ति निहित है।पर्यटन के माध्यम से जब ग्रामीण क्षेत्रों का विकास होता है, तो राष्ट्र की समृद्धि सुनिश्चित होती है।

भारत की असली पहचान उसके गांवों में है। ग्रामीण पर्यटन से न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है,बल्कि लोक संस्कृति, लोक परंपरा का सम्यक निर्वहन होता है। जिससे वैविध्यपूर्ण साहचर्य समरसता को प्राप्त हो सुदृढ़ होता है,प्राकृतिक सौंदर्य जीवंत हो उठता है।

किसान और गांववासी भारत के प्राण हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के आधारभूत सामंजस्य को संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं के समांग अभिवृद्धि का निरंतर प्रयास आवश्यक है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों का विकास होता है। ग्रामीण पर्यटन का विकास उनके लिए और लाभकारी बनता है, जिससे सर्वांगीण विकास होता है।

ग्रामीण पर्यटन के विकास से ग्रामीणों को रोजगार के नए अवसर मिलते हैं। इसके अलावा,पर्यटक भारतीय गांवों की प्राचीन परंपराओं,हस्तशिल्प, कला,संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों से जुड़ते हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास होता है।

देवभूमि उत्तराखंड का ग्रामीण जीवन समृद्ध हों, इसलिए ग्राम का विकास आवश्यक है।हमारे गांव के प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरण के उपयोग के सुनियोजित उपयोग से आर्थिक संवृद्धि पाना है।पहाड़ के जंगलों में पैदा होने वाले शुद्ध शहद से लेकर सीढ़ीदार खेतों में उगाया जाने वाला आर्गेनिक मंडुआ, झंगोरा, गहथ,राजमा और हैंडमेड ऊनी वस्त्र से लेकर हैंडिक्राफ्ट तक सभी के उत्पादन को बढ़ावा देना है। इनकी बिक्री के लिए ई-कामर्स प्लेटफार्म पर ब्रांडिंग करनी है।राज्य के समग्र विकास के लिए,गांवों की आर्थिकी मजबूत की जानी जरूरी है।

पहाड़ के गांवों के सौहार्दपूर्ण, स्निग्ध मधुर अतीत की पुनः रौनक लौटानी है, रिश्तों में जीवंतता लानी है। पुरातनता और प्रगतिशीलता के सामंजस्य से सुख, समृद्धि ,समरसता लानी है। पहाड़ के गांव की आर्थिक संवृद्धि के लिए, आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए अपने प्रयास जारी रखने हैं। पर्यावरण संरक्षण जल संरक्षण और वनौषधियों के प्रसंस्करण से आर्थिक संवृद्धि लाकर देवभूमि के हर घर में खुशियां लानी है स्वरोजगार और स्वाध्याय की धुन जगानी है।

ग्रामीण पर्यटन के विकास व गांवों की आत्मनिर्भरता हेतु हमारे प्रयास अहर्निश जारी रहेंगे।।

जय देवभूमि उत्तराखण्ड!!जय भारत !!

डॉ.गार्गी मिश्रा

आठ अरब समस्याएं!

मनुष्य ने जो किया है और वह जो करते हुए है उसमें उसकी आदिम और यांत्रिक क्रियाओं का बड़ा रोल है। मनुष्य ने अपनी प्रकृति में और नेचर बनाम नर्चर के परस्पर विरोधी खिंचावों में आत्मघाती दुष्चक्र बनाए है।.. न यह सोचना गलत है कि आठ अरब लोग पृथ्वी की आठ अरब समस्याएं है और न यह मानना गलत है कि होमो सेंपियन के छह हजार साला सफर के मौजूदा मुकाम का बिखराव प्रलय की स्थितियां बनवाते हुए है।

सवाल है जितने सकंट है, उनकी फेह. रिस्त में एक-एक संकट पर सोचे या उस वजह को पकड़े जिससे सब संकट है? अपना मानना है कि सभी संकटों की जड़ध मनुष्य है। वही समस्याओं की वजह है। उसी के कारण पृथ्वी और मानव अस्तित्व प्रलय के मुहाने पर है। बावजूद इसके मनुष्य जिम्मेवारी लेने को तैयार नहीं! पृथ्वी की आठ अरब आबादी में हर व्यक्ति समस्या है! उसके वैयक्तिक व्यवहार की भूख और सामूहिक विवेकहीनता ने पृथ्वी को समस्याओं का ग्रह बनाया है। वैयक्तिक और सामूहिक क्लेश, विद्धवेश, दुर्भावनाओं व संघर्ष की वजह से मानव जीवन और पृथ्वी दोनों संकट में है।

निश्चित ही होमो सेपियन का जीवन सफर समस्याओं के समाधान की दास्तां भी लिए हुए है। ज्यों-ज्यों मनुष्य सचेत होता गया, उसकी भूख बढ़ी और आवश्यकताओं में आविष्कार हुए। और जीवन जंजाल बनता गया। मनुष्य का स्वभाव बदला। वह समर्थ बना। विकास के शिखर पर पहुंचा। लेकिन बिना अपनी मूल प्रकृति को सुधारे हुए। सभ्य बनते हुए भी वह घूमफिर कर आदिम, असुरी, वहशी याकि सैवज और बर्बर अवस्था में बार-बार लौटा और लड़ाईयां लडी। संहार और स्वामित्व के औजार बनाए। नरसंहार, आत्मसंहार, शोषण, दोहन और असम. नताओं की क्षमताएं बढ़ती गई। मनुष्य ने न अपना ध्यान रखा और न प्रकृति का ख्याल किया।

कह सकते है मनुष्य ने जो किया है और वह जो करते हुए है उसमें उसकी आदिम और यांत्रिक क्रियाओं का बड़ा रोल है। इहलोक का विकास मनुष्य और पृथ्वी के संग-संग का नहीं है बल्कि डाल-डाल व पांत-पांत के संघर्ष से है। मनुष्य ने अपनी प्रकृति में और नेचर बनाम नर्चर के परस्पर विरोधी खिंचावों में आत्मघाती दुष्चक्र बनाए है। मानव समाज के भीतर जहां अमानवीय व्यवस्थाएं बनी वही पूरी मानवता तथा पृथ्वी के संहार की खाईयां भी खुदी।

इस सबको मनुष्य झूठलाते हुए है। उसे और उसकी माईबाप सत्ता को न विजड़म और न सुध कि वह मानव सभ्यता को किस और ले जाते हुए है। सब जोखिमों में जी रहे हैं लेकिन दिल-दिमाग में यह चिंता रैखिक रूप में नहीं है। 140 करोड़ लोगों की भीड़ यह समग्र चिंता लिए हुए नहीं होती कि महामारी में कितने लोग मरे है। वे केवल वैयक्तिक व परिवार पर सोचते हुए होंगे। पृथ्वी के अस्तित्व की चिंता आठ अरब लोगों की आठ अरब गुना चिंता नहीं है। इसलिए कि व्यक्ति को अपने दरवाजे पर प्रलय की लहर नहीं दिख रही। न ही वह भावी पीढियों का भविष्य सोचता हुआ होती है। पिछली सदी में दूसरे महायुद्ध में पांच करोड लोग मरे थे। यूक्रेन की मौजूदा लड़ाई यदि तीसरे महायुद्ध में बदले तो क्या खतरा होगा, इसे बूझा जा सकता है। लेकिन आठ अरब लोगों की भीड़ का खतरे से दुबला होना भला कैसे संभव? ऐसी चिंताएं वैश्विक मंचों का विषय होती है। लेकिन बहुसंख्यक मनुष्य सोच में ये प्रलयकारी संकट रजिस्टर नहीं है। इसलिए उनका स्वभाव नहीं बदल सकता है। इसलिए पृथ्वी को बचाने का निश्चय, जज्बा और संसाधनों का प्रबंधन होता हुआ नहीं है। किसी भी संकट का रियल समाधान संभव नहीं है। अनुभव होते हुए भी यथास्थिति में मानवता जीते हुए होती है।

जैसे उर्जा संकट का त्राहीमाम पुराना है। सभी देश तेल और गैस के मंहगे होने व बिजली की कमी से परेशान है। हिसाब से इजराइल-अरब की पहली लड़ाई से ही पेट्रोलियम पदार्थो के मंहगे होते जाने का वैश्विक आबादी को अनुभव है। इससे बाहर निकलने के कई विकल्प है। लेकिन उनका सिरे चढना इसलिए संभव नहीं हुआ क्योंकि आठ अरब लोगों की मानवता में जिन समझदार-विज्ञानी ला. गो को तेजी से अनुसंधान और विकास करना था वहां (अमेरिका) तेल-गैस की पर्याप्त उपलब्धता है। तेल कंपनियों का दबदबा है। नतीजतन विकास धीमी गति से बढता हुआ है। तभी 95 प्रतिशत आबादी न केवल महंगे जीवाश्म ईंधन को फूंकते हुए है बल्कि अपने हाथों पृथ्वी को गरम बनाते हुए भी है। पनबि. जली और माइक्रो-हाइड्रो सौर, पवन, भू-तापीय, तरंग, ज्वार, सेल्यूलोसिक इथ. नॉल जैसे स्वच्छ, टिकाऊ, नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोत दशकों से मालूम है। सबको पता है कि इनके उपयोग से जीवाश्म ईंध न पर निर्भरता घटेगी। सस्ती उर्जा मिलेगी। लेकिन जिनकी बुद्धी से संसाधन और विजड़म संभव है, उनका निश्चय नहीं हुआ तो दशकों से ढ़ाक के तीन पांत।

इस अदूरदर्शिता ने सीओटू का संकट बनाया। अब पर्यावरण बिगडने की रियलिटी को हर कोई अनुभव करता हुआ है। लेकिन समझ का टोटा जस का तस। आठ अरब लोगों में कितनों को सुध है कि इस सदी में सीओटू से वायुमंडल में सांद्रता पिछले 6,50,000 वर्षों की तुलना में अधिक है। वर्तमान होलोसीन एक्स्टिकेशन इवेंट (65 मिलियन साल पहले डायनासोर के विलुप्त होने के बाद से सबसे खराब जलवायु परिवर्तन का वक्त) को धीमा या समाप्त करना इंसान के बूते संभव ही नहीं है। इसलिए जीव जगत की कई तरह की प्रजातियां विलुप्त हो रही है तो हो रही है कोई कुछ नहीं कर सकता।

ऐसे ही ग्लेशियर पिघल रहे है। महासागरों का जल स्तर बढ़ रहा है। द्वीपिय देश डुबते हुए है। नार्थ-साउथ पोल, साईबेरिया और ग्रीनलेंड में भी गर्मी होने लेगी है। सभी और तापमान बढ़ रहा है। बदलती जलवायु से जैव विविधता को अलग खतरा है। जल,जमीन, जंगल के दस तरह के नए संकट है। इस सबके बावजूद क्या वैश्विक अलार्म बजाता हुआ है और क्या लोग वैयक्तिक स्तर पर स्वभाव बदलने को तैयार है? जैसे वैज्ञानिक तौर पर प्रामाणिक एक छोटा उदाहरण। मांसाहार पृथ्वी को मंहगा पडता हैं। अमेरिका में मांस के लिए जानवर जितनी फीड़ खाते है वह वहां पैदा होने वाली सोया, मकई और अनाज की 70 से 90 प्रतिशत फसल होती है। जानवरों को खिलाने की फसलों की पैदावार में पानी की आपूर्ति का लगभग आधा हिस्सा और कृषि भूमि का 80 प्रतिशत इलाका खपता हैं। तथ्य यह भी है कि अमेरिका में 66 प्रतिशत लोग मोटापे और वजन की समस्या लिए हुए है। लोग मांस कम खांए तो जहा उनकी सेहत को फायदा है वहीं भूखी दुनिया के लिए भी अनाज बच सकना संभव। खेती और खानपान दोनों की प्रवृति में अधिकाधिक पैदावार, रसायनिक उर्वरकों के उपयोग आदि के पर्यावरणीय असर गंभीर है। उस नाते मनुष्य शरीर व प्रकृति पर प्रभाव को लेकर अमेरिका में जो जागरूकता बननी चाहिए, वह वहां संभव नहीं है तो इसलिए क्योंकि हर मानव सभ्यता-संस्कृति जीने के अपने अंदाज की कहानी में बंधी है।

चार पार्टियों का तीसरा मोर्चा

भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस से मुकाबले के लिए एक तीसरा मोर्चा बनने लगा है। अगले लोकसभा चुनाव को लेकर तीसरे मोर्चे की बातचीत चल रही है और इसकी एक रूपरेखा भी बन गई है। आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल फिलहाल इस तीसरे मोर्चे में शामिल दिख रहे हैं लेकिन ऐसा लग रहा है कि वे इसकी थाह ले रहे हैं। वे अंदाजा लगा रहे हैं कि तीसरे मोर्चे के साथ मिल कर लडना ज्यादा फायदेमंद होगा या अकेले लडने की तैयारी रखनी चाहिए। जो प्रादेशिक पार्टियां इस मोर्चे में शामिल होने वाली हैं उनके असर वाले राज्यों में केजरीवाल अपनी पार्टी की संभावना का पता लगा रहे हैं। अगर जरा सी भी संभावना दिखती है तो वे अकेले आगे बढ़ेंगे अन्यथा तीसरे मोर्चे में रहेंगे। शुरुआती बातचीत के मुताबिक तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी और तेलंगाना राष्ट्र समिति इस तीसरे मोर्चे के घटक हैं और पांचवीं पार्टी राजद हो सकती है। ध्यान रहे तृणमूल की अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के लिए चुनाव प्रचार किया था। वे दो बार उत्तर प्रदेश गई थीं, चुनाव प्रचार किया था और अखिलेश के साथ साझा प्रेस कांफ्रेंस किया था। पिछले दिनों वे दिल्ली आईं तो मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से उनकी मुलाकात हुई। अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी के आवास पर वे केजरीवाल से मिलीं। बताया जा रहा है कि अखिलेश और केजरीवाल दोनों सिद्धांत रूप में तीसरे मोर्चे के लिए सहमत हैं। अखिलेश को अब कांग्रेस के साथ नहीं लडना है और कांग्रेस को भी प्रशांत किशोर ने समझाया था कि वह उत्तर प्रदेश में अकेले लड़े। चूंकि अखिलेश को अकेले राजनीति करनी है इसलिए उनको ममता बनर्जी या केजरीवाल के साथ रहने में कोई आपत्ति नहीं है। ममता की पार्टी का उत्तर प्रदेश में कोई इंटरेस्ट नहीं है और न बंगाल में सपा का कोई इंटरेस्ट है। तेलंगाना राष्ट्र समिति का तेलंगाना के बाहर किसी राज्य में इंटरेस्ट नहीं है। सपा को दिल्ली या पंजाब में भी चुनाव नहीं लडना है, जहां आम आदमी पार्टी की सरकार है। लेकिन केजरीवाल के लिए मामला इतना सीधा नहीं है।

केजरीवाल उत्तर प्रदेश में राजनीति कर सकते हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को आगे करके विधानसभा का चुनाव लड़ा था। उसमें उन्होंने सपा के साथ तालमेल की भी बात की थी। हालांकि तालमेल हो नहीं सका। लोकसभा चुनाव से पहले होने वाले विधानसभा चुनावों में अगर उनकी पार्टी का प्रदर्शन अच्छा रहता है तो वे उत्तर प्रदेश में लडना चाहेंगे। वैसे भी उत्तर प्रदेश में लड़े बगैर वे देश भर में भाजपा और नरेंद्र मोदी के खिलाफ लडने का मैसेज नहीं बनवा पाएंगे। अगर इस पेंच को केजरीवाल और अखिलेश सुलझा लेते हैं तो कम से कम ये चार पार्टियां अलग मोर्चा बना कर चुनाव लड़ेंगी।

सीआर पाटिल को बाहरी बता कर फंसे केजरीवाल

आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपने विवादित बयानों के लिए मशहूर रहे हैं। एक जमाने में उन्होंने देश के तमाम नेताओं को भ्रष्ट बताया था और बाद में बारी बारी सबसे माफी मांगी थी। कई नेताओं से तो उन्होंने लिखित माफी मांगी। लेकिन वे जानते हैं कि बाद में मांगी गई माफी किसी को याद नहीं रहती है। लोग पहले कही गई बात को ही याद रखते हैं। अपनी इस सोच में उन्होंने गुजरात भाजपा के अध्यक्ष सीआर पाटिल पर हमला बोला और कहा कि वे महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा को गुजरात चलाने के लिए एक गुजराती नहीं मिला।

सोचें, इस बात का क्या मतलब है? यह सही है कि सीआर पाटिल का जन्म महाराष्ट्र में हुआ था लेकिन वे अब गुजरात में रहते हैं और नवसारी सीट से तीसरी बार रिकॉर्ड अंतर से लोकसभा का चुनाव जीते हैं। महाराष्ट्र में जन्म लेने की वजह से अगर सीआर पाटिल का गुजरात का अध्यक्ष बनना गलत है तो हरियाणा में जन्मे और पले-बढ़े अरविंद केजरीवाल का दिल्ली का मुख्यमंत्री बनना कैसे सही होगा? केजरीवाल का जन्म हरियाणा के भिवानी में हुआ और पढ़ाई हिसार व सोनीपत में हुई। उनकी पार्टी बड़े शान से उनको हरियाणा का बेटा बता कर हरियाणा में अपना प्रचार करती है। इसके बावजूद वे दिल्ली के मुख्यमंत्री हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में जन्मे मनीष सिसोदिया दिल्ली के उप मुख्यमंत्री हैं। दिल्ली के रहने वाले और दिल्ली से ही विधायक रहे राघव चड्ढा को अभी केजरीवाल ने पंजाब से राज्यसभा में भेजा है। इसके बावजूद वे गुजरात में जाकर क्षेत्रवाद की बात कर रहे हैं।

कौन सी हील्स पहनकर खूबसूरत दिख सकती हैं आप, लें टिप्स

आज के समय में लड़कियां और महिलाएं हील्स पहनना पसंद करती हैं। फैमिली गेट टुगेदर से लेकर ऑफिस और पार्टी तक में लड़कियों को हील्स के साथ देखा जाता है। जी हाँ वह अक्सर हील्स कैरी करती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि हील्स उनकी पर्सनैलिटी में चार चांद लगा देती हैं। वहीं दूसरी तरफ वजनदार लड़कियां हील्स पहनकर अपने मोटापे को बैलेंस कर लेती हैं, तो छोटी हाइट वाली लड़कियां हील्स के जरिए अपनी हाइट की कमी को पूरा करती हैं। ऐसे में अगर आप भी हील्स पहनने का शौक रखती हैं, तो आपको इसकी वैरायटी के बारे में पता होना चाहिए। अब आज हम आपको इसी के बारे में बताने जा रहे हैं।

स्टिलेटोज – यह काफी हाई हील्स होती हैं जो उंगलियों की तरह पतली होती है। जी हाँ और किसी पार्टी के मौके पर स्टिलेटोज आपकी पर्सनैलिटी को और भी आकर्षक बना सकती है।

पम्प्स- ये स्टिल्टोज की तुलना में कम ऊंचे होते हैं, इसी के साथ ही स्टिल्टोज की तुलना में इन्हें पहनकर चलने में आसानी रहती है। आपको बता दें कि अगर पम्प्स पहली बार पहनने जा रही हैं तो ब्लैक या न्यूड कलर चुनें।

ब्लॉक हील्स- ब्लॉक हील्स थोड़े चौड़े होते हैं, इसी के साथ ही बहुत ज्यादा ऊंचे नहीं होते। ऐसे में इन्हें आप किसी भी मौके पर आसानी से कैरी कर सकती हैं। जी हाँ और इन्हें पहनकर आप पॉश्चर को ठीक रख सकती हैं।

प्लेटफॉर्म हील्स- प्लेटफॉर्म हील्स आपकी हाइट और कंफर्ट दोनों को बेहतरीन बना सकते है। जिन लोगों को हील्स पहनना जरूरी है, साथ ही काफी चलना फिरना पड़ता है, उनके लिए ये सही है।

किटन हील्स- अगर आपकी लंबाई अच्छी है और आपको हील्स पहनने का शौक है तो आप इसे पहन सकती हैं। ये न बहुत ऊंची होती हैं और न ही बहुत छोटी।

एस्पाड्रिल्स- स्टाइल के साथ आरामदायक हील्स चाहती हैं तो आपको एस्पाड्रिल्स ट्राई करना चाहिए। यह फ्लैट और हील्स दोनों पैटर्न में मिल जाएंगे।

चाय और कॉफी में चीनी की जगह इन चीजों का कर सकते हैं इस्तेमाल

कई लोग अपने दिन की शुरूआत चाय या फिर कॉफी के सेवन से करना पसंद करते हैं, लेकिन इनमें मिलाई जाने वाली चीनी स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। इसी वजह से अगर आप चाय और कॉफी में मिठास के लिए चीनी की जगह कुछ अन्य विकल्प खोज रहे हैं तो यह लेख आपके लिए ही है। आइए आज हम आपको बताते हैं कि चाय और कॉफी में चीनी की बजाय किन चीजों को मिलाया जा सकता है।

मेपल सिरप

मेपल सिरप कई तरह के मिनरल्स और विटामिन्स के साथ-साथ एंटी-ऑक्सीडेंट गुण से समृद्ध होता है। यहीं नहीं, इसमें कैलोरी की मात्रा भी बहुत कम होती है, इसलिए इसे चीनी का एक स्वास्थ्यवध 'क विकल्प माना जाता है। आप चाहें तो अपनी चाय या कॉफी में चीनी की जगह मेपल सिरप को मिलाकर उनका स्वाद बढ़ा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप मेपल सिरप को कई तरह के मीठे व्यंजनों का हिस्सा बना सकते हैं।

गुड़

गुड़ भी चीनी का एक स्वास्थ्यवर्धक विकल्प है क्योंकि इसका सेवन भी स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है। गुड़ में आयरन, कैल्शियम, प्रोटीन, फास्फोरस और कार्बोहाइड्रेट जैसे कई पोषक तत्व के साथ-साथ एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण और एंटी-एलर्जिक गुण आदि शामिल होते हैं, इसलिए इसे स्वास्थ्य

के लिए बेहतर माना जाता है। आप चाहें तो अपनी चाय या कॉफी के लिए गुड़ का इस्तेमाल कर सकते हैं। बस ध्यान रखें कि गुड़ को चाय और कॉफी को बनाने के बाद डालना है।

कोकोनट शुगर

आजकल बाजार में कई तरह की चीनी मौजूद है, जिनमें कोकोनट शुगर यानी नारियल से बनी हुई चीनी भी शामिल है। यह चीनी कई तरह के पोषक तत्वों से समृद्ध होती है, इसलिए इन दिनों यह काफी प्रचलन में है और फिटनेस फ्रीक लोगों के लिए अच्छी मानी जा रही है। इसलिए अगर आप चाहें तो अपनी चाय और कॉफी में कोकोनट शुगर को मिलाकर उनकी मिठास बढ़ा सकते हैं।

शहद

शहद एक बेहतरीन आयुर्वेदिक औषधि है क्योंकि इसमें कई प्रकार के खनिज व पोषक तत्व सम्मिलित होते हैं। इसके अतिरिक्त, इसमें एंटी-इंफेक्शन, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण भी मौजूद होते हैं, इसलिए इसे चाय या फिर कॉफी में चीनी की जगह मिलाना काफी अच्छा विचार हो सकता है। इससे न सिर्फ इन चीजों में मिठास आएगी बल्कि यह कई तरह से स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। आप चाहें तो स्मूदी और शेक आदि में भी शहद को मिला सकते हैं।

कैसे की जाती है फोम रोलर एक्सरसाइज? जानिए इससे जुड़ी खास बातें

फोम रोलर एक तरह की दर्द निवारक एक्सरसाइज है। इससे हमारा मतलब यह है कि इस एक्सरसाइज की मदद से शरीर के किसी भी हिस्से के दर्द को दूर किया जा सकता है। इसके लिए बस आपको एक 18 इंच या 36 इंच के फोम रोलर के जरुरत पड़ेगी। आइए आज आपको फोम रोलर एक्सरसाइज करने का तरीका, इसके फायदे और इससे जुड़ी कुछ सावध ानियां और एक्सरसाइज के दौरान ध्यान में रखने वाली बातों के बारे में बताते हैं।

अभ्यास

फोम रोलर एक्सरसाइज करने का तरीका

फोम रोलर एक्सरसाइज करने के लिए सबसे पहले फोम रोलर को उस जगह पर रखें, जहां आपको दर्द है या फिर आप शरीर के जिस हिस्से की मांसपेशियों की मसाज करना चाहते हैं। इसके बाद हल्का सा दबाव बनाते हुए आपको कुछ सेकेंड धीरे-धीरे ऊपर नीचे और आगे पीछे होना है। अगर आप पहली बार इस एक्सरसाइज को कुछ दिनों तक इसका समय 15 से 20 सेकेंड रखें, फिर समय सीमा को बढ़ाकर 40 से 60 सेकेंड कर दें।

सावधानियां

एक्सरसाइज करते समय जरूर बरतें ये सावधानियां

फोम रोलर को कभी भी अपनी हड्डी के जोड़ो पर रोल न करें क्योंकि इससे उन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। अगर शरीर के किसी हिस्से में चोट लगी हो या सर्जरी हुई है तो इस एक्सरसाइज को न करें। गर्भवती महिलाएं इस एक्सरसाइज को करते समय संतुलन बनाने में अधिक सावधानी बरतें या फिर इस एक्सरसाइज को न ही करें। बेहतर होगा कि आप शुरूआत में इस

एक्सरसाइज का अभ्यास किसी ट्रेनर की निगरानी में करें।

फायदे

रोजाना फोम रोलर एक्सरसाइज करने से मिलने वाले फायदे

फोम रोलर एक्सरसाइज तंग मांसपेशियों को ठीक करने में मदद कर सकती है और यह पूरे शरीर की मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करने में सहायक है। इस एक्सरसाइज से शरीर का ब्लड सर्कुलेशन बेहतर रहता है और इससे शरीर में लचीलापन आता है। यह एक्सरसाइज मोटापे से छुटकारा दिलाने में भी सहायक है। इस एक्सरसाइज से स्टेमिना बढ़ाने में भी काफी मदद मिलती है। शरीर के संतुलन को बेहतर बनाने में भी यह एक्सरसाइज काफी मददगार है।

टिप्स

एक्सरसाइज से जुड़ी खास टिप्स

शुरूआत में इस एक्सरसाइज को अधिक समय तक न करें, बल्कि धीरे-धीरे इसका समय बढ़ाएं। एक्सरसाइज करते समय सामान्य रूप से सांस लेते रहें और अपनी सांस को रोककर न रखें। इस एक्सरसाइज को करते समय अपने सिर और कूल्हों पर अधिक दबाव न डालें और न ही एक्सरसाइज के दौरान अपने शरीर के किसी भी हिस्से को जकड़े क्योंकि इस वजह से चोट लगने की संभावना बढ़ जाती है।

ज्यादा टाइट जींस न पहनें, खासकर युवतियों को हो सकती हैं कई दिक्कतें...

टाइट-फिटिंग जींस पहनना आज के दौर आम हो चुका है। कई लोगों का मानना है कि टाइट जींस पहनने से सेक्सी लूक आता है जिसके चलते ज्यादातर लड़कियां इस ट्रेंड को ज्यादा फॉलो करती हैं। अब तो लडके भी टाइट जींस पहनना शुरू हो चुके हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि टाइट जींस पहनना सेहत के लिए खतरनाक भी है। रोजाना

फिटिंग जींस पहनने से आपके शरीर में धीरे-धीरे कुछ ऐसे रोग पनपते रहते हैं जिनका आपको बहुत देरी से पता चलता है।

एक्सपर्ट्स मानते हैं कि लंबे समय तक जींस पहनने से नसों की बीमारी वैरिकोज वेन्स से लेकर ब्लड क्लॉट तक कई गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ सकता है। टाइट जींस खासकर महिलाओं के स्वास्थ्य को अधिक प्रभावित कर सकती है। दिनभर टाइट फिटिंग जींस पहनने से आपकी कमर और पैरों में ब्लड सर्कुलेशन धीमा हो सकता है। इतना ही नहीं, इससे आपकी नसों के लिए खून को हृदय और अन्य अंगों की ओर वापस पंप करना कठिन हो सकता है। ऐसा होने से आपके अंगों का बेहतर तरीके से काम करना बंद हो सकता है।टाइट जींस पहनना शरीर के निचले हिस्से में खराब ब्लड सर्कुलेशन का मुख्य कारण है। इससे ब्लड क्लॉट का जोखिम पैदा हो सकता है। टाइट जींस की वजह से नसों पर लगातार दबाव बनता है, जिससे कमर और जांघों के आसपास दर्द होता है। यह समस्या अक्सर पैरों में झुनझुनी, जलन और बेचैनी जैसे संकेत दे सकती है।

ईगो छोड़ धारा 163 अन्तर्गत प्रदत्त निर्देशों के क्रियान्वयन व समन्वय में नजर आए मुझे सभी अधिकारी: डीएम

देहरादून। सीएम के निर्देशानुसार मसूरी ग्रीष्मकालीन पर्यटन को सुगम बनाने

डीएम सविन बंसल के नेतृत्व में जिला प्रशासन आधुनिक सुविधाओं के साथ तैयार है। डीएम ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अधिकारी ईगो छोड़ प्रदत्त निर्देशों के क्रियान्वयन व समन्वय में नजर आए । डीएम सविन बंसल, डीएम नैनीताल रहते रूसी बाईपास पर हजारों गाड़ियों की शटल पार्किंग व शटल सेवा का अद्वितीय सफल प्रयोग करवा चुके हैं ।

जिलाधिकारी ने 163 बीएनएसएस(भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता) आदेश का अक्षरश: अनुपालन करने की निर्देश दिए। उन्होंने सभी से सहयोग की अपेक्षा की है तथा कहा कि कोशिश हो कि प्रशासन को विधिक बल इस्तेमाल की जरूरत ना पड़े। वहीं मसूरी सैटेलाइट पार्किंग, गोल्फ कार्ट व शटल सेवा, के साथ पर्यटकों के स्वागत को तैयार है, जिसमें हाथी पांव, किंग क्रैंग, कुठाल गेट पर सुरक्षित सैटेलाइट पार्किंग, हाईटेक शटल सेवा व मॉल रोड पर गोल्फ कार्ट शामिल हैं।

डीएम ने स्पष्ट किया कि खानापूर्ति लचर प्रणाली छोड़ कानून शांति व्यवस्था के लिए 19 अप्रैल से धारा-163 लागू रहेगी, जिसके आदेश जारी किए गए हैं। ग्रीष्मकालीन पर्यटन को लेकर जिला प्रशासन चौकन्ना, आदेश जारी, उल्लंघन पर दण्डात्मक कार्रवाई होना तय है।मॉल रोड एंट्री गेट पर डिजिटल रिसिप्ट्स, सैटेलाइट पार्किंग, शटल सेवा व गोल्फ कार्ट जैसी आधुनिक सुविधा डीएम सविन की देन है, जिससे मसूरी में सम सुविधा पर्यटकों कोमिल रही है। वहीं प्रशासन पर्यटकों को हाईटेक, सुगम सुविधा और सुरक्षा, जाम से छूटकारा दिलाने को कमर कस ली है। डीएम ने शीतकालीन भांति पर्यटन सुविधाओं और सेवाओं को करें, तत्काल बहाल करने के निर्देश दिए हैं।

ग्रीष्मकाल में मसूरी शहर में अत्यधिक पर्यटकों और स्थानीय लोगों के आवागमन के दृष्टिगत यातायात, कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने और पर्यटक सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशों पर अपर जिला मजिस्ट्रेट जय भारत सिंह ने 19 अप्रैल, 2025 से धारा-163 लागू करने के आदेश जारी कर दिए है। अपर जिला मजिस्ट्रेट ने अपने आदेश में लोनिवि के अधिशासी अभियंता, आरटीओ, नगर पालिका मसूरी के अधिशासी अधिकारी, जिला पर्यटन विकास अधिकारी, पुलिस अधीक्षक यातायात, पुलिस अधीक्षक नगर, देहरादून एवं संबंधित अधिकारियों को विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए है। अपर जिला मजिस्ट्रेट ने हाथी पांव (जार्ज एवरेस्ट रोड), बस्साघाट, एवं कुठालगेट पर अस्थायी पार्किंग तथा किंक्रेग पर स्थायी सेटेलाइट पार्किंग विकसित करने और पार्किंग स्थ स्थलों को वाहन के अनुसार विभाजित करते हुए व्यवस्थित रूप से वाहनों की पार्किंग सुनिश्चित कराने के आदेश जारी किए है। सभागीय परिवहन अधिकारी को शटल सेवा के माध्यम से आने वाले पर्यटकों की संख्या, शटल सेवा प्रदाता द्वारा निर्धारित फेरों के दौरान परिवहन किए गए यात्रियों की संख्या का पूरा ब्यौरा रखने के साथ ही शटल सेवा हेतु माल रोड़ एवं पार्किंग स्थलों पर बूथ संचालन, टिकट काउंटर, पर्याप्त शटल वाहन की उपलब्धता तथा शटल सेवा संचालक की नियमित मॉनिटरिंग करने के आदेश जारी किए गए है।

यातायात पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी मसूरी को पार्किंग स्थल पर शांति व्यवस्था बनाए रखने, वाहनों को इंटरसेप्ट कर पार्किंग स्थलों पर डाइवर्ट करने और बिना असुविधा के यात्री वाहनों का संचालन सुनिश्चित करने के आदेश जारी किए है। पार्किंग स्थलों पर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पार्किंग संचालन, सुरक्षा, प्रकाश, मोबाइल टॉयलेट, पेयजल की व्यवस्था, शटल सेवा के माध्यम से लाइब्रेरी एवं पिक्चर पैलेस तक आने वाले यात्रियों हेतु पर्याप्त रिक्शा एवं गोल्फ कार्ड की व्यवस्था रखने के आदेश मसूरी नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को दिए है। गज्जी बैंड सेटेलाइट पार्किंग फुल होने की दशा में नगर एवं यातायात पुलिस अधीक्षक वाहनों को कुठाल गेट डायवर्सन पर इंटरसेप्ट करके ओल्ड राजपुर रोड पर पार्किंग हेतु डायवर्ट करेंगे। देहरादून अपर नगर आयुक्त इंटरसेप्शन एवं वैकल्पिक पार्किंग स्थल हेतु अस्थाई पुलिस कैनोपी, पर्यटकों की जानकारी एवं सुविधा हेतु पब्लिक एड्रेस सिस्टम एवं पार्किंग स्थल पर बेसिक सिविक एनीमिटी अतिरिक्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।देहरादून नगर निगम स्वयं या आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से न्यूनतम शुल्क लेते हुए पार्किंग संचालन, वाहनों की सुरक्षा तथा शटल काउंटर सम्भागीय परिवहन अधिकारी द्वारा कुठाल गेट से शटल सेवा संचालन व पर्याप्त शटल उपलब्ध करायी जाएगी। पुलिस अधीक्षक देहरादून पर्यटकों की सुरक्षा एवं निर्बाध यातायात व्यवस्था संचालन के अपने स्तर से उचित कार्रवाई करेंगे। जल निगम व जल संस्थान के अधिशासी अभियंता ग्रीष्मकालीन पर्यटन के दौरान मसूरी में निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे।

महापौर ने भाजपा प्रदेश महामंत्री का किया स्वागत

रुद्रपुर। भाजपा प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार का जिला कार्यालय पहुंचने पर भाजपा प्रदेश मंत्री एवं महापौर विकास शर्मा ने कार्यकर्ताओं के साथ उनका स्वागत किया और अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर महापौर ने प्रदेश महामंत्री के साथ राजनैतिक परिदृश्य को लेकर चर्चा भी की। इस अवसर पर स्वागत करने वालों में भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, अमित नारंग, बिट्टू चौहान, तरूण दत्ता, सुरेश कोली, रोशन अरोरा,गजेन्द्र प्रजापति आदि मौजूद थे।

वन संरक्षक ने अग्नि सुरक्षा के कार्यों को जांचा

नई टिहरी। वन विभाग वनाग्नि को लेकर मुश्तैद नजर आ रहा है। जिसके चलते वन संरक्षक भागीरथी वृत्त धर्म सिंह मीणा

ने नई टिहरी स्थित विभाग के क्रू स्टेशन और मास्टर कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया है। टिहरी वन प्रभाग और टिहरी डैम वन प्रभाग पहली बार एकीकृत नियंत्रण कक्ष बनने से वनाग्नि की घटनाओं में रोकने का प्रयास किया जा रहा है। जिले के तीन शैडो एरिया में वन विभाग ने जल्दी ही रेडियो रिपीटर स्टेशन स्थापित करने का निर्णय लिया है। जिससे इन क्षेत्रों में वनाग्नि संबंधित घटनाएं होने पर जानकारी मिल पाएगी। बीते दिनों वन संरक्षक मीणा ने वन विभाग के क्रू स्टेशन में उपकरण, मास्टर कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने डीएफओ पुनीत तोमर को मास्टर कंट्रोल रूम को और हाइटेक करने के निर्देश दिए। यहां पर वाईफाई, सीसीटीवी कैमरा सहित विभाग के फॉरेस्ट फायर एप्प को रिमोट डेस्कटॉप पर इंस्टॉल करने के निर्देश दिए। कहा कि टिहरी वन प्रभाग और डैम वन प्रभाग के एकीकृत कंट्रोल रूम बनने से रेस्क्यू सहित अन्य कार्यों में रिस्पांस टाइम में कमी आएगी। मीणा ने कहा कि फायर वाचरों का शत प्रतिशत बीमा कराया गया है। दुर्घटना होने पर 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। वनाग्नि सुरक्षा समितियां गठित की जा रही है। उन्हें 30 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। उत्कृष्ट कार्य करने वाली समितियों व वन पंचायतों को सम्मानित करेंगे। बताया कि एसडीआरएफ केंद्रीयकृत माध्यम से सुरक्षा उपकरणों को क्रय कर रहा है। वनकर्मियों को फायर प्रूफ ड्रेस दी जा रही है। डीएफओ तोमर ने बताया कि गंगी, लंबगांव और चापड़ा शैडो एरिया में कनेक्टिविटी के लिए रेडियो रिपीटर स्टेशन लगाए जा रहे हैं। वाहनों को जीपीएस से लैस किया गया है। इसके बाद उन्होंने विभागीय कार्यालय का निरीक्षण किया। इस मौके पर डीएफओ डैम संदीपा शर्मा, एसडीओ रश्मि ध्यानी, जन्मजय चंद रमोला, रेंजर आशीष डिमरी, लक्ष्मण सिंह सजवाण, होशियार सिंह, आजाद बिष्ट, दीपक रजवार आदि मौजूद रहे।

जनता की समस्याओं पर उदासीन सरकार ध्यान भटकाने में मशगूल

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस ने भाजपा की ओर से वक्फ कानून पर अपने पार्टी मुख्यालय में कार्यशाला आयोजित करने को जनता की समस्याओं से ध्यान भटकाने की कोशिश करार दिया है। उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि देश व राज्य की जनता की समस्याओं के समाधान में विफल भाजपा की केंद्र व राज्य सरकारों ने जनता को बरगलाने के नए-नए तरीके ढूंढ लिए हैं। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में धस्माना ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी लगातार बढ़ती जा रही है और बेरोजगार नौजवान सरकार के प्रति आक्रोशित हो रहा है। उन्होंने कहा कि महंगाई से आम आदमी परेशान है। तेल, घी, मसाले, अनाज, सब्जियां सबके दाम आसमान छू रहे हैं, लेकिन जनता को राहत देने के लिए भाजपा की डबल इंजन सरकारें कुछ नहीं कर पा रही हैं।

धस्माना ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों पर भी सरकार जनता को इस बात का कोई उत्तर आज तक नहीं दे पाई है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें न्यूनतम स्तर पर पहुंचने के बाद भी जनता को डीजल पेट्रोल महंगा क्यों मिल रहा है। धस्माना ने कहा कि आज ही टाइम्स मैगजीन में दुनिया के सबसे शक्तिशाली सौ लोगों की सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नदारद हैं। ऐसा पिछले दस वर्षों में पहली बार हुआ है, जिससे उनका दुनिया में डंका बज रहा है वाला जुमला भी फेल हो गया है। ऐसे में डबल इंजन सरकारों की गिरती साख बचाने के लिए वक्फ कानून का शोर मचा कर लोगों का ध्यान भटकाने की योजना पर भाजपा कम कर रही है।

पुलिस कर्मियों पर हमले के विरोध में उक्रांद का प्रदर्शन

देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल ने हर्रावाला में पुलिस कर्मियों पर हमले के विरोध में शुक्रवार को जिलाधिकारी कार्यालय में प्रदर्शन किया। दल ने कहा कि प्रदेश में पुलिसकर्मी ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम जनता का क्या होगा। उक्रांद ने जिलाधिकारी कार्यालय में प्रदर्शन के बाद सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। महानगर अध्यक्ष बिजेंदर रावत ने कहा कि प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था और आम जनता के बीच पुलिस की साख गिरती जा रही है। राज्य बनने से पूर्व उत्तराखंड में अपराध नहीं के बराबर था, लेकिन अब अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हर्रावाला चौकी में पुलिस कर्मियों के ऊपर हमला दर्शाता है, कि अपराधी बेखौफ हैं। राज्य बनने के बाद उत्तराखंड में बाहरी लोगों का बड़े पैमाने में आगमन हुआ है,

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक **गार्गी मिश्रा** द्वारा इंटर ग्राफिक आफॅसेट प्रिंटर्स 64 नेशविला रोड़ देहरादून, उत्तराखंड से मुद्रित, 98, 2-फ्लोर, सनशाइन अपार्टमेन्ट, नागल हटनाला, कुल्हान, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून - 248001 से प्रकाशित।

सम्पादकः
गार्गी मिश्रा
8765441328

समस्त विवाद देहरादून न्यायालय के अधीन होंगे।